



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (क)

(सामान्य परिनियम नियम)

प्रयागराज, सोमवार, 17 फरवरी, 2025 ई०

(माघ 28, 1946 शक संवत्)

कार्यालय आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

संख्या-3811/दस-लाइसेंस-60/वि०म०-2/थोक नियमावली/2024-2025

प्रयागराज, दिनांक 17 फरवरी, 2025 ई०

अधिसूचना

सा०प०नि०-15

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 1904) की धारा 21 के साथ पठित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 (संयुक्त प्रान्त अधिनियम संख्या 4 सन् 1910) की धारा 41 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके, आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के थोक विक्रय हेतु अनुज्ञापनों का व्यवस्थान) नियमावली, 2002 को संशोधित करने की दृष्टि से एतद्वारा निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के थोक विक्रय हेतु अनुज्ञापनों का व्यवस्थान)

(पंद्रहवाँ संशोधन) नियमावली, 2024

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के थोक विक्रय हेतु अनुज्ञापनों का व्यवस्थान) (पंद्रहवाँ संशोधन) नियमावली, 2024 कही जायेगी।

(2) यह दिनांक 01 अप्रैल, 2024 से प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

2. नियम-4 का संशोधन-उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के थोक विक्रय हेतु अनुज्ञापनों का व्यवस्थान) नियमावली, 2002 (जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है) में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-4 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>4 - विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय के थोक लाइसेंस के प्रकार:-</p> <p>4(1) विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय के थोक विक्रय के लिए छः प्रकार के लाइसेंस होंगे अर्थात्:-</p> <p>(क) उत्तर प्रदेश में स्थित आसवनियों/यवासवनियों तथा द्राक्षासवनियों द्वारा निर्मित विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय की थोक बिक्री के लिए लाइसेंस विनिर्माताओं को उनके अपने उत्पाद को पूर्व संदत्त प्रतिफल फीस पर थोक विक्रेताओं को बिक्री के लिए प्रपत्र वि0म0-1 में प्रदान किया जायेगा।</p> <p>(ख) उत्तर प्रदेश राज्य के बाहर स्थित आसवनियों, यवासवनियों तथा द्राक्षासवनियों द्वारा निर्मित विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय की थोक बिक्री के लिए उन विनिर्माताओं को जिनके द्वारा विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय की बोतल भराई के लिए प्रपत्र वि0म0-3क में लाइसेंस ले लिया गया है, प्रपत्र वि0म0-1क में लाइसेंस, पूर्व संदत्त प्रतिफल फीस पर अपने ऐसे उत्पादों को थोक विक्रय लाइसेंसधारी थोक विक्रेताओं को बिक्रय करने के लिए प्रदान किया जायेगा।</p> <p>(ग) फुटकर लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं को विदेशी मदिरा, वाइन, कम तीव्रता के मादक पेय एवं समुद्रपार विदेशी मदिरा तथा वाइन की थोक बिक्री के लिये प्रपत्र वि0म0-2 में लाइसेंस स्वीकृत किया जायेगा।</p> <p>(घ) विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय और समुद्रपार विदेशी मदिरा की सेना/अर्द्ध सैनिक बलों के थोक तथा फुटकर विक्रेताओं को थोक बिक्री के लिए प्रपत्र वि0 म0-2क में लाइसेंस दिया जायेगा।</p>	<p>4 - विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय के थोक लाइसेंस के प्रकार:-</p> <p>4(1) विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय के थोक विक्रय के लिए छः प्रकार के लाइसेंस होंगे अर्थात्:-</p> <p>(क) उत्तर प्रदेश में स्थित आसवनियों/यवासवनियों तथा द्राक्षासवनियों द्वारा निर्मित विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय की थोक बिक्री के लिए लाइसेंस विनिर्माताओं को उनके अपने उत्पाद को पूर्व संदत्त प्रतिफल फीस पर थोक विक्रेताओं को बिक्री के लिए प्रपत्र वि0म0-1 में प्रदान किया जायेगा।</p> <p>परन्तु यह कि राज्य में स्थित वे द्राक्षासवनियाँ, जो प्रथम बार वाइन की भराई कर रही हो और प्रतिफल शुल्क में छूट हेतु पात्र हो उन्हें एफ.एल.-1 लाइसेंस अभिप्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी।</p> <p>(ख) उत्तर प्रदेश राज्य के बाहर स्थित आसवनियों, यवासवनियों तथा द्राक्षासवनियों द्वारा निर्मित विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय की थोक बिक्री के लिए उन विनिर्माताओं को जिनके द्वारा विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय की बोतल भराई के लिए प्रपत्र वि0म0-3क में लाइसेंस ले लिया गया है, प्रपत्र वि0म0-1क में लाइसेंस, पूर्व संदत्त प्रतिफल फीस पर अपने ऐसे उत्पादों को थोक विक्रय लाइसेंसधारी थोक विक्रेताओं को बिक्रय करने के लिए प्रदान किया जायेगा।</p> <p>(ग) फुटकर लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं को विदेशी मदिरा, वाइन, कम तीव्रता के मादक पेय एवं समुद्रपार विदेशी मदिरा तथा वाइन की थोक बिक्री के लिये प्रपत्र वि0म0-2 में लाइसेंस स्वीकृत किया जायेगा।</p> <p>(घ) विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय और समुद्रपार विदेशी मदिरा की सेना/अर्द्ध सैनिक बलों के थोक तथा फुटकर विक्रेताओं को थोक बिक्री के लिए प्रपत्र वि0 म0-2क में लाइसेंस दिया जायेगा।</p>

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>(इ) फुटकर लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं को बिक्री के लिए बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय (एल.ए.बी.) के साथ-साथ आयातित बीयर/कम तीव्रता के मादक पेय की थोक बिक्री के लिए प्रपत्र वि०म०-2ख में लाइसेंस दिया जायेगा: परन्तु यह कि वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय की आपूर्ति कॉच की बोतलों में सिविल/सेना/अर्ध सैनिक बलों के लिए अनुज्ञेय होगी।</p> <p>(च) प्रपत्र बी०आई०ओ०-1 में लाइसेंस, आयातक इकाई को अन्य देशों से समुद्रपार विदेशी मदिरा के थोक विक्रय के लिए गोदाम खोलने के लिए प्रदान किया जायेगा। अन्य देशों से यह समुद्रपार विदेशी मदिरा, समुद्रपार विदेशी मदिरा का उत्तर प्रदेश में आयात नियमावली, 2003 के अधीन मंगाया जायेगी;</p> <p>राज्य के किसी कस्टम बाण्ड के माध्यम से समुद्रपार आयातित मदिरा का कारबार करने वाली आयातक इकाईयों को राज्य के थोक अथवा विहित फुटकर लाइसेंसों को समुद्रपार आयातित मदिरा की बिक्री करने हेतु बी०आई० ओ०-1 लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा।</p> <p>(2) आयात करने वाली पूर्वोक्त इकाइयाँ निम्नलिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करेंगी: -</p> <p>(क) उनके पास उत्तर प्रदेश समुद्रपार विदेशी मदिरा का आयात नियमावली, 2003 के उपबंधों के अधीन स्थापित उत्तर प्रदेश के भीतर कस्टम बांड वेयरहाउस या कस्टम बांड वेयर हाउस आवंटन स्थान होना चाहिए;</p> <p>(ख) उन्हे राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा यथा विहित लाइसेंस फीस का संदाय और प्रतिभूति जमा किये जाने पर राज्य के भीतर आबकारी विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत किया जायेगा।</p> <p>(एक) राज्य के किसी कस्टम बाण्ड के माध्यम से समुद्रपार आयातित मदिरा का कारबार करने वाली आयातक इकाईयों को राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा यथा विहित लाइसेंस फीस और प्रतिभूति जमा किये जाने पर राज्य के समुद्रपारीय थोक अथवा विहित फुटकर लाइसेंसों को प्रदान किया जायेगा। आयातित मदिरा की बिक्री करने हेतु बी०आई०ओ० लाइसेंस जारी किया जायेगा;</p>	<p>(इ) फुटकर लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं को बिक्री के लिए बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय (एल.ए.बी.) के साथ-साथ आयातित बीयर/कम तीव्रता के मादक पेय की थोक बिक्री के लिए प्रपत्र वि०म०-2ख में लाइसेंस दिया जायेगा: परन्तु यह कि वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय की आपूर्ति कॉच की बोतलों में सिविल/सेना/अर्ध सैनिक बलों के लिए अनुज्ञेय होगी।</p> <p>(च) प्रपत्र बी०आई०ओ०-1 में लाइसेंस, आयातक इकाई को अन्य देशों से समुद्रपार विदेशी मदिरा के थोक विक्रय के लिए गोदाम खोलने के लिए प्रदान किया जायेगा। अन्य देशों से यह समुद्रपार विदेशी मदिरा, समुद्रपार विदेशी मदिरा का उत्तर प्रदेश में आयात नियमावली, 2003 के अधीन मंगाया जायेगी;</p> <p>राज्य के किसी कस्टम बाण्ड के माध्यम से समुद्रपार आयातित मदिरा का कारबार करने वाली आयातक इकाईयों को राज्य के थोक अथवा विहित फुटकर लाइसेंसों को समुद्रपार आयातित मदिरा की बिक्री करने हेतु बी०आई० ओ०-1 लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा।</p> <p>(2) आयात करने वाली पूर्वोक्त इकाइयाँ निम्नलिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करेंगी: -</p> <p>(क) उनके पास उत्तर प्रदेश समुद्रपार विदेशी मदिरा का आयात नियमावली, 2003 के उपबंधों के अधीन स्थापित उत्तर प्रदेश के भीतर कस्टम बांड वेयरहाउस या कस्टम बांड वेयर हाउस आवंटन स्थान होना चाहिए;</p> <p>(ख) उन्हे राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा यथा विहित लाइसेंस फीस का संदाय और प्रतिभूति जमा किये जाने पर राज्य के भीतर आबकारी विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत किया जायेगा।</p> <p>(एक) राज्य के किसी कस्टम बाण्ड के माध्यम से समुद्रपार आयातित मदिरा का कारबार करने वाली आयातक इकाईयों को राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा यथा विहित लाइसेंस फीस और प्रतिभूति जमा किये जाने पर राज्य के समुद्रपारीय थोक अथवा विहित फुटकर लाइसेंसों को प्रदान किया जायेगा। आयातित मदिरा की बिक्री करने हेतु बी०आई०ओ० लाइसेंस जारी किया जायेगा;</p>

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>(दो) किसी जिला के बी0आई0ओ0 लाइसेंस के अधीन उसी जिला में स्थित मात्र एक कस्टम बाण्ड संबद्ध किया जायेगा, किन्तु किसी एक कस्टम बाण्ड में एक से अधिक आयातक इकाइयों द्वारा पृथक स्थान आबंटित कराकर उन्हें अपने बी0आई0ओ0 लाइसेंसो से लिंकड कराया जा सकता है;</p> <p>(तीन) बी0आई0ओ0 लाइसेंस हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के अंतर्गत अपेक्षित सूचनाओं के अतिरिक्त संलग्न किये जाने वाले कस्टम बाण्ड का अपेक्षित विवरण एवं इसमें स्थान आवंटित होने का प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य होगा। प्रत्येक बी0आई0ओ0 लाइसेंस के संचालन हेतु एक बन्धित मदिरा का गोदाम अनिवार्य होगा जिसका परिसर उसी जिला में और सम्बंधित कस्टम बाण्ड के परिसर से बाहर होगा। बी0आई0ओ0-1 लाइसेंस का संचालन उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के थोक विक्रय हेतु अनुज्ञापनों का व्यवस्थापन) नियमावली, 2002 (यथासंशोधित) एवं समय-समय पर दिये गये अनुदेश के अनुसार किया जायेगा।</p> <p>(चार) उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत समस्त आयातक इकाइयों द्वारा राज्य में अवस्थित अपने बी0आई0ओ0 से राज्य के बाहर के किसी थोक विक्रेता/फुटकर विक्रेता (कस्टम बाण्ड को छोड़कर) जिसके पास विधिमान्य आयात परमिट हो, सीमा शुल्क संदाय करेगा। संदत्त मदिरा के निर्यात हेतु संबंधित जिला आबकारी अधिकारी से ऑनलाइन निर्यात परमिट अनिवार्य रूप से प्राप्त किया जायेगा और संबंधित मदिरा की निकासी (निर्यात) केवल उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग के पोर्टल द्वारा निर्गत परिवहन पास के माध्यम से की जायेगी। उक्त निकासी, निर्यात राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा विहित दर से परमिट फीस जमा कर की जायेगी।</p>	<p>परन्तु यह कि बी.आई.ओ.-1 लाइसेंसधारी यदि किसी अन्य नगर निगम के जिला अथवा मण्डल मुख्यालय के जिला में भी लाइसेंस लेना चाहता है तब वह बी.आई.ओ.-1क लाइसेंस, विहित लाइसेंस फीस जमा कर प्राप्त कर सकता है, जिसमें उसे बी.आई.ओ.-1 की समस्त सुविधायें प्राप्त होंगी।</p> <p>(दो) किसी जिला के बी0आई0ओ0 लाइसेंस के अधीन उसी जिला में स्थित मात्र एक कस्टम बाण्ड संबद्ध किया जायेगा, किन्तु किसी एक कस्टम बाण्ड में एक से अधिक आयातक इकाइयों द्वारा पृथक स्थान आबंटित कराकर उन्हें अपने बी0आई0ओ0 लाइसेंसो से लिंकड कराया जा सकता है;</p> <p>(तीन) बी0आई0ओ0 लाइसेंस हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र के अंतर्गत अपेक्षित सूचनाओं के अतिरिक्त संलग्न किये जाने वाले कस्टम बाण्ड का अपेक्षित विवरण एवं इसमें स्थान आवंटित होने का प्रमाण पत्र पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य होगा। प्रत्येक बी0आई0ओ0 लाइसेंस के संचालन हेतु एक बन्धित मदिरा का गोदाम अनिवार्य होगा जिसका परिसर उसी जिला में और सम्बंधित कस्टम बाण्ड के परिसर से बाहर होगा। बी0आई0ओ0-1 लाइसेंस का संचालन उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा के थोक विक्रय हेतु अनुज्ञापनों का व्यवस्थापन) नियमावली, 2002 (यथासंशोधित) एवं समय-समय पर दिये गये अनुदेश के अनुसार किया जायेगा।</p> <p>(चार) उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत समस्त आयातक इकाइयों द्वारा राज्य में अवस्थित अपने बी0आई0ओ0 से राज्य के बाहर के किसी थोक विक्रेता/फुटकर विक्रेता(कस्टम बाण्ड को छोड़कर)जिसके पास विधिमान्य आयात परमिट हो, सीमा शुल्क संदाय करेगा। संदत्त मदिरा के निर्यात हेतु संबंधित जिला आबकारी अधिकारी से ऑनलाइन निर्यात परमिट अनिवार्य रूप से प्राप्त किया जायेगा और संबंधित मदिरा की निकासी (निर्यात) केवल उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग के पोर्टल द्वारा निर्गत परिवहन पास के माध्यम से की जायेगी। उक्त निकासी, निर्यात राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा विहित दर से परमिट फीस जमा कर की जायेगी।</p>

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>(पाँच) उत्तर प्रदेश के थोक लाइसेंसो और विहित फुटकर लाइसेंसो को समुद्रपार आयातित मदिरा की बिक्री किये जाने वाले समस्त ब्राण्डों एवं लेबिलों का प्रत्येक बी0आई0ओ0 लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस वार अनुमोदन/ रजिस्ट्रीकरण, विहित ऑनलाइन प्रक्रिया एवं विहित शुल्क जमा कराते हुये कराया जाना अनिवार्य होगा। इस हेतु ब्राण्ड स्वामी अथवा भारत में संबंधित ब्राण्ड स्वामी का प्राधिकार पत्र/ब्राण्ड के प्रमुख आयातक अनिवार्य नहीं होगा।</p> <p>(छः) बी0आई0ओ0-1 लाइसेंस से कई गंतव्य स्थानों हेतु एक ही वाहन से मदिरा का परिवहन किये जाने की मंजूरी होगी।</p> <p>(ग) उन्हे ऐसे कस्टम बान्ड वेयरहाउसों का विवरण घोषित करना होगा जिनमें मदिरा आयातित और भण्डारित की जायेगी;</p> <p>(घ) उन्हें कस्टम बाण्ड से बाहर सम्बन्धित जिलों में ऐसे वेयर हाउस की घोषणा करनी होगी और तद्विहित आबकारी आयुक्त, का अनुमोदन प्राप्त करना होगा जिसमें कस्टम बाण्ड वेयर हाउसों से डी-बांडेड समुद्रपार विदेशी मदिरा उत्तर प्रदेश में विक्रय से पूर्व भण्डारित की जायेगी;</p> <p>(ङ) आयातक इकाई, देश में किसी भी कस्टम बाण्ड से समुद्रपार विदेशी मदिरा को प्राप्त कर सकती है;</p> <p>(च) वे राज्य के भीतर प्राधिकृत व्यक्तियों को बिक्री कर सकती है या राज्य के भीतर किसी अन्य आयातक इकाई को स्टोक अन्तरित कर सकती है या अन्य राज्य में स्थित अन्य कस्टम बॉन्डों को अन्तरित कर सकती है या अन्य राज्यों में प्राधिकृत व्यक्तियों को निर्यात कर सकती है;</p> <p>(छ) समुद्रपार विदेशी मदिरा के ब्राण्डों का रजिस्ट्रीकरण ब्राण्ड स्वामी या उसके प्राधिकृत प्रमुख आयातक या किसी अन्य प्राधिकृत आयातक इकाई द्वारा कराया जाएगा। इस तरह से रजिस्ट्रीकरण होने पर समस्त आयातक इकाइयों बिक्री एवं खरीद कर सकती हैं और इस प्रकार की प्रत्येक इकाई को पृथक रूप से रजिस्ट्रीकरण की आवश्यकता नहीं होगी;</p> <p>परन्तु यह कि आयातक इकाईयों के कस्टम बाण्डों में संचित उन समस्त ब्राण्डों का भी निःशुल्क ऑन-लाइन रजिस्ट्रीकरण कराया जायेगा, जिनकी बिक्री प्रदेश के थोक/फुटकर लाइसेंसधारियों को नहीं की जानी है;</p>	<p>(पाँच) उत्तर प्रदेश के थोक लाइसेंसो और विहित फुटकर लाइसेंसो को समुद्रपार आयातित मदिरा की बिक्री किये जाने वाले समस्त ब्राण्डों एवं लेबिलों का प्रत्येक बी0आई0ओ0 लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस वार अनुमोदन/ रजिस्ट्रीकरण, विहित ऑनलाइन प्रक्रिया एवं विहित शुल्क जमा कराते हुये कराया जाना अनिवार्य होगा। इस हेतु ब्राण्ड स्वामी अथवा भारत में संबंधित ब्राण्ड स्वामी का प्राधिकार पत्र/ब्राण्ड के प्रमुख आयातक अनिवार्य नहीं होगा।</p> <p>(छः) बी0आई0ओ0-1 लाइसेंस से कई गंतव्य स्थानों हेतु एक ही वाहन से मदिरा का परिवहन किये जाने की मंजूरी होगी।</p> <p>(ग) उन्हे ऐसे कस्टम बान्ड वेयरहाउसों का विवरण घोषित करना होगा जिनमें मदिरा आयातित और भण्डारित की जायेगी;</p> <p>(घ) उन्हें कस्टम बाण्ड से बाहर सम्बन्धित जिलों में ऐसे वेयर हाउस की घोषणा करनी होगी और तद्विहित आबकारी आयुक्त, का अनुमोदन प्राप्त करना होगा जिसमें कस्टम बाण्ड वेयर हाउसों से डी-बांडेड समुद्रपार विदेशी मदिरा उत्तर प्रदेश में विक्रय से पूर्व भण्डारित की जायेगी;</p> <p>(ङ) आयातक इकाई, देश में किसी भी कस्टम बाण्ड से समुद्रपार विदेशी मदिरा को प्राप्त कर सकती है;</p> <p>(च) वे राज्य के भीतर प्राधिकृत व्यक्तियों को बिक्री कर सकती है या राज्य के भीतर किसी अन्य आयातक इकाई को स्टोक अन्तरित कर सकती है या अन्य राज्य में स्थित अन्य कस्टम बॉन्डों को अन्तरित कर सकती है या अन्य राज्यों में प्राधिकृत व्यक्तियों को निर्यात कर सकती है;</p> <p>(छ) समुद्रपार विदेशी मदिरा के ब्राण्डों का रजिस्ट्रीकरण ब्राण्ड स्वामी या उसके प्राधिकृत प्रमुख आयातक या किसी अन्य प्राधिकृत आयातक इकाई द्वारा कराया जाएगा। इस तरह से रजिस्ट्रीकरण होने पर समस्त आयातक इकाइयों बिक्री एवं खरीद कर सकती हैं और इस प्रकार की प्रत्येक इकाई को पृथक रूप से रजिस्ट्रीकरण की आवश्यकता नहीं होगी;</p> <p>परन्तु यह कि आयातक इकाईयों के कस्टम बाण्डों में संचित उन समस्त ब्राण्डों का भी निःशुल्क ऑन-लाइन रजिस्ट्रीकरण कराया जायेगा, जिनकी बिक्री प्रदेश के थोक/फुटकर लाइसेंसधारियों को नहीं की जानी है;</p>

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
(ज) वे राज्य में केवल रजिस्ट्रीकृत समुद्रपार विदेशी मदिरा के ब्रांडों की ही बिक्री करने के लिए प्राधिकृत होंगी;	(ज) वे राज्य में केवल रजिस्ट्रीकृत समुद्रपार विदेशी मदिरा के ब्रांडों की ही बिक्री करने के लिए प्राधिकृत होंगी;
(झ) आयातक इकाई का बी0आई0ओ0-1 लाइसेंस उसी जिले में स्थित मात्र एक कस्टम बाण्ड से सम्बद्ध होगा;	(झ) आयातक इकाई का बी0आई0ओ0-1 लाइसेंस उसी जिले में स्थित मात्र एक कस्टम बाण्ड से सम्बद्ध होगा;
(ञ) आयातक इकाईयाँ जो:-	(ञ) आयातक इकाईयाँ जो:-
(एक) राज्य में सीधे अपने किसी कस्टम बाण्ड में मदिरा आयात करने अथवा;	(एक) राज्य में सीधे अपने किसी कस्टम बाण्ड में मदिरा आयात करने अथवा;
(दो) अन्य राज्यों में प्रान्तों में स्थित आयातक इकाईयों के कस्टम बाण्डों से मदिरा का स्थानान्तरण प्राप्त करने अथवा;	(दो) अन्य राज्यों में प्रान्तों में स्थित आयातक इकाईयों के कस्टम बाण्डों से मदिरा का स्थानान्तरण प्राप्त करने अथवा;
(तीन) अन्य राज्यों में स्थित किसी आयातक इकाई के कस्टम बाण्ड को मदिरा स्थानान्तरण करने अथवा	(तीन) अन्य राज्यों में स्थित किसी आयातक इकाई के कस्टम बाण्ड को मदिरा स्थानान्तरण करने अथवा
(चार) राज्य में स्थित अन्य आयातक इकाईयों के कस्टम बाण्ड में मदिरा के स्थानान्तरण करने का व्यवसाय कर रही हैं,	(चार) राज्य में स्थित अन्य आयातक इकाईयों के कस्टम बाण्ड में मदिरा के स्थानान्तरण करने का व्यवसाय कर रही हैं,
(पाँच) प्रदेश में समुद्रपार आयातित मदिरा का किसी प्रकार से कार्य करने वाली इकाईयों को उत्तर प्रदेश के आबकारी विभाग के विहित पोर्टल पर विहित रजिस्ट्रीकरण फीस संदाय कर उन्हें रजिस्ट्रीकृत कराया जाना अनिवार्य होगा।	(पाँच) प्रदेश में समुद्रपार आयातित मदिरा का किसी प्रकार से कार्य करने वाली इकाईयों को उत्तर प्रदेश के आबकारी विभाग के विहित पोर्टल पर विहित रजिस्ट्रीकरण फीस संदाय कर उन्हें रजिस्ट्रीकृत कराया जाना अनिवार्य होगा।

3-नियम-7 का संशोधन- उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में, दिए गए विद्यमान नियम-7 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
7. लाइसेंस हेतु पात्रता-	7. लाइसेंस हेतु पात्रता-
प्रपत्र एफ0एल0-2 एवं एफ0एल0-2 ख में लाइसेंस किसे ऐसे व्यक्ति को दिया जायेगा, जो	प्रपत्र एफ0एल0-2 एवं एफ0एल0-2 ख में लाइसेंस किसे ऐसे व्यक्ति को दिया जायेगा, जो
(क) भारत का नागरिक हो,	(क) भारत का नागरिक हो,
या	या
भागीदारी वाली फर्म, जिसमें दो से अधिक भागीदार न हों जो भारत के नागरिक हों, दुकानों के आवंटन के पश्चात् भागीदारी में कोई परिवर्तन अनुमन्य न होगा:	भागीदारी वाली फर्म, जिसमें दो से अधिक भागीदार न हों जो भारत के नागरिक हों, दुकानों के आवंटन के पश्चात् भागीदारी में कोई परिवर्तन अनुमन्य न होगा:

<p>स्तम्भ-1</p> <p>विद्यमान नियम</p>	<p>स्तम्भ-2</p> <p>एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम</p>
<p>परन्तु यदि यह कि लाइसेंस किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त किया गया हो तो उसके मृत्यु की दशा में लाइसेंसधारी द्वारा दिये गये नामनिर्देशन शपथ पत्र(यदि कोई हो)के अनुसार वारिसों/परिवार के सदस्यों/ निकट सम्बन्धियों के नाम, यदि अन्यथा अपात्र न हों, लाइसेंस की शेष अवधि के लिए लाइसेंस बना रहेगा लाइसेंसधारक के रूप में बने रहने के लिए नामनिर्देशन शपथ -पत्र में वर्णित वरीयता क्रम के अनुसार विचारित किये जायेंगे।</p> <p>परन्तु अग्रतर यह कि मृतक लाइसेंसधारी के नामनिर्देशन शपथ-पत्र की अनुपलब्धता के मामलों में उसका विधिक वारिस लाइसेंस की शेष अवधि के लिए लाइसेंसधारक बना रह सकता है।</p> <p>यदि लाइसेंस संयुक्त रूप से दो व्यक्तियों द्वारा प्राप्त किया गया हो, तो किसी एक व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में, उत्तरजीवी व्यक्ति एवं उपर्युक्तानुसार चयनित मृत लाइसेंसधारी का नामनिर्देशिती अथवा विधिक वारिस, यदि अन्यथा पात्र हों, लाइसेंस की शेष अवधि के लिए लाइसेंसधारक बना रह सकता है। दोनों व्यक्तियों के विधिक उत्तरदायित्वों में कोई भेद नहीं किया जायेगा और दोनों संयुक्त रूप से अलग-अलग दायी होंगे।</p>	<p>परन्तु यदि यह कि लाइसेंस किसी व्यक्ति द्वारा प्राप्त किया गया हो तो उसके मृत्यु की दशा में लाइसेंसधारी द्वारा दिये गये नामनिर्देशन शपथ पत्र(यदि कोई हो)के अनुसार वारिसों/परिवार के सदस्यों/ निकट सम्बन्धियों के नाम, यदि अन्यथा अपात्र न हों, लाइसेंस की शेष अवधि के लिए लाइसेंस बना रहेगा लाइसेंसधारक के रूप में बने रहने के लिए नामनिर्देशन शपथ -पत्र में वर्णित वरीयता क्रम के अनुसार विचारित किये जायेंगे।</p> <p>परन्तु अग्रतर यह कि मृतक लाइसेंसधारी के नामनिर्देशन शपथ-पत्र की अनुपलब्धता के मामलों में उसका विधिक वारिस लाइसेंस की शेष अवधि के लिए लाइसेंसधारक बना रह सकता है।</p> <p>यदि लाइसेंस संयुक्त रूप से दो व्यक्तियों द्वारा प्राप्त किया गया हो, तो किसी एक व्यक्ति की मृत्यु की स्थिति में, उत्तरजीवी व्यक्ति एवं उपर्युक्तानुसार चयनित मृत लाइसेंसधारी का नामनिर्देशिती अथवा विधिक वारिस, यदि अन्यथा पात्र हों, लाइसेंस की शेष अवधि के लिए लाइसेंसधारक बना रह सकता है। दोनों व्यक्तियों के विधिक उत्तरदायित्वों में कोई भेद नहीं किया जायेगा और दोनों संयुक्त रूप से अलग-अलग दायी होंगे।</p> <p>परन्तु यह कि थोक लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस के अंतरण के संबंध में एक नामनिर्देशन शपथ पत्र भी प्रस्तुत किया जा सकता है, जिसमें वह प्रथम, द्वितीय, तृतीय आदि वरीयता क्रम में अपने वारिसों/परिवार के सदस्यों/निकट संबंधियों का नाम, आधार संख्या, संबंध आदि का उल्लेख कर सकता है। मृत्यु के मामलों में सर्वप्रथम नामनिर्देशन शपथ पत्र के अनुसार प्रस्तुत प्रार्थना पत्रों पर विचार किया जायेगा अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।</p>
<p>(ख) लाइसेंस की स्वीकृति के लिये आवेदन करते समय 21 वर्ष की आयु से अधिक हो;</p> <p>(ग) बकायेदार/काली सूची में सम्मिलित या अधिनियम के अधीन बनायी गयी किसी नियमावली के उपबंधों के अधीन आबकारी लाइसेंस धारण करने से विवर्जित न किया गया हो;</p>	<p>(ख) लाइसेंस की स्वीकृति के लिये आवेदन करते समय 21 वर्ष की आयु से अधिक हो;</p> <p>(ग) बकायेदार/काली सूची में सम्मिलित या अधिनियम के अधीन बनायी गयी किसी नियमावली के उपबंधों के अधीन आबकारी लाइसेंस धारण करने से विवर्जित न किया गया हो;</p>

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
(घ) देशी मदिरा, विदेशी मदिरा, बीयर एवं माडल शाप की फुटकर बिक्री का कोई लाइसेंस नहीं रखता हो;	(घ) देशी मदिरा, विदेशी मदिरा, बीयर एवं माडल शाप की फुटकर बिक्री का कोई लाइसेंस नहीं रखता हो;
(ङ) निम्नलिखित की पुष्टि में पब्लिक नोटरी द्वारा अभिप्रमाणित शपथपत्र प्रस्तुत करेगा, अर्थात;	(ङ) निम्नलिखित की पुष्टि में पब्लिक नोटरी द्वारा अभिप्रमाणित शपथपत्र प्रस्तुत करेगा, अर्थात;
(एक) यह कि समय-समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश आबकारी की दुकानों की संख्या एवं स्थिति नियमावली, 1968 के उपबंधों के अनुकूल उस स्थान पर दुकान खोलने हेतु उपयुक्त परिसर रखता है अथवा उस स्थान पर किराये पर उपयुक्त परिसर का प्रबन्ध कर सकता है;	(एक) यह कि समय-समय पर यथा संशोधित उत्तर प्रदेश आबकारी की दुकानों की संख्या एवं स्थिति नियमावली, 1968 के उपबंधों के अनुकूल उस स्थान पर दुकान खोलने हेतु उपयुक्त परिसर रखता है अथवा उस स्थान पर किराये पर उपयुक्त परिसर का प्रबन्ध कर सकता है;
(दो) यह कि उपखण्ड (ङ)(एक) में दर्शित उसके दुकान के प्रस्तावित परिसर के निर्माण में किसी विधि अथवा नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया है;	(दो) यह कि उपखण्ड (ङ)(एक) में दर्शित उसके दुकान के प्रस्तावित परिसर के निर्माण में किसी विधि अथवा नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया है;
(तीन) यह कि उसका एवं उसके परिवार के सदस्यों का नैतिक चरित्र अच्छा है और उनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं है तथा उनको संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 या स्वापक ओषधि एवं मन प्रभावी अधिनियम, 1985 अथवा किसी संज्ञेय एवं गैर जमानती अपराध में दण्डित नहीं किया गया है;	(तीन) यह कि उसका एवं उसके परिवार के सदस्यों का नैतिक चरित्र अच्छा है और उनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि नहीं है तथा उनको संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 या स्वापक ओषधि एवं मन प्रभावी अधिनियम, 1985 अथवा किसी संज्ञेय एवं गैर जमानती अपराध में दण्डित नहीं किया गया है;
(चार) यह कि लाइसेंसधारी के रूप में चयनित हो जाने की दशा में जिला, जहां का वह निवासी है, के जिला कलेक्टर या सम्बन्धित जिला के पुलिस अधीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक या सम्बन्धित पुलिस कमिशनरी के पुलिस आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी, जो सहायक पुलिस आयुक्त के रैंक से अन्यून हो, द्वारा जारी इस आशय का प्रमाण-पत्र लाइसेंस के जारी होने के पूर्व प्रस्तुत करेगा कि उसका एवं उसके परिवार के सदस्यों का चरित्र अच्छा है एवं उनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि या आपराधिक इतिहास नहीं है;	(चार) यह कि लाइसेंसधारी के रूप में चयनित हो जाने की दशा में जिला, जहां का वह निवासी है, के जिला कलेक्टर या सम्बन्धित जिला के पुलिस अधीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक या सम्बन्धित पुलिस कमिशनरी के पुलिस आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट एक अधिकारी, जो सहायक पुलिस आयुक्त के रैंक से अन्यून हो, द्वारा जारी इस आशय का प्रमाण-पत्र लाइसेंस के जारी होने के पूर्व प्रस्तुत करेगा कि उसका एवं उसके परिवार के सदस्यों का चरित्र अच्छा है एवं उनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि या आपराधिक इतिहास नहीं है;

<p>स्तम्भ-1</p> <p>विद्यमान नियम</p>	<p>स्तम्भ-2</p> <p>एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम</p>
<p>(पांच) यह कि वह किसी ऐसे व्यक्ति को बिक्रीकर्ता या प्रतिनिधि के रूप में नियोजित नहीं करेगा, जिसकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी, जैसा कि उपरोक्त उपखण्ड (तीन) में उल्लिखित है या जो किसी संक्रामक या छुआछूत रोग से ग्रसित हो या 21 वर्ष से कम आयु का हो या महिला है। लाइसेंसधारी को जिला आबकारी अधिकारी से राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर यथाविहित फीस के संदाय होने पर उसके प्राधिकृत बिक्रेता/प्रतिनिधि का फोटोयुक्त नौकरनामा प्राप्त करेगा;</p>	<p>(पांच) यह कि वह किसी ऐसे व्यक्ति को बिक्रीकर्ता या प्रतिनिधि के रूप में नियोजित नहीं करेगा, जिसकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी, जैसा कि उपरोक्त उपखण्ड (तीन) में उल्लिखित है या जो किसी संक्रामक या छुआछूत रोग से ग्रसित हो या 21 वर्ष से कम आयु का हो या महिला है। लाइसेंसधारी को जिला आबकारी अधिकारी से राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर यथाविहित फीस के संदाय होने पर उसके प्राधिकृत बिक्रेता/प्रतिनिधि का फोटोयुक्त नौकरनामा प्राप्त करेगा;</p>
<p>(छः) यह कि उस पर कोई लोक देयता या राजकीय देयता का बकाया नहीं है;</p>	<p>(छः) यह कि उस पर कोई लोक देयता या राजकीय देयता का बकाया नहीं है;</p>
<p>(सात) यह है कि ऋणशोधक्षम, है, और आवश्यक निधि रखता है या उसने कारोबार के संचालन के लिए आवश्यक निधि का प्रबन्ध कर लिया है, जिसका ब्यौरा, यदि अपेक्षित होगा, तो लाइसेंस प्राधिकारी को उपलब्ध करा देगा;</p>	<p>(सात) यह है कि ऋणशोधक्षम, है, और आवश्यक निधि रखता है या उसने कारोबार के संचालन के लिए आवश्यक निधि का प्रबन्ध कर लिया है, जिसका ब्यौरा, यदि अपेक्षित होगा, तो लाइसेंस प्राधिकारी को उपलब्ध करा देगा;</p>
<p>(आठ) यह है कि आवेदक सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों, असामाजिक कार्यों एवं संगठित अपराधिक गतिविधियों में लिप्त नहीं है। यदि लाइसेंस प्राप्त हो जाने के उपरान्त भी यह प्रमाणित हो जाता है कि वह सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों, असामाजिक कार्यों एवं संगठित अपराधिक गतिविधियों में लिप्त है तो उसे प्रदान किया गया अनुबंध/पट्टा/ठेका निरस्त कर दिया जाये;</p>	<p>(आठ) यह है कि आवेदक सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों, असामाजिक कार्यों एवं संगठित अपराधिक गतिविधियों में लिप्त नहीं है। यदि लाइसेंस प्राप्त हो जाने के उपरान्त भी यह प्रमाणित हो जाता है कि वह सक्रिय रूप से माफिया गतिविधियों, असामाजिक कार्यों एवं संगठित अपराधिक गतिविधियों में लिप्त है तो उसे प्रदान किया गया अनुबंध/पट्टा/ठेका निरस्त कर दिया जाये;</p>
<p>(नौ) यह कि आवेदक बार काउंसिल में रजिस्ट्रीकृत अधिवक्ता नहीं है। यदि लाइसेंस प्राप्त कर लेने पर उसे बार काउंसिल में रजिस्ट्रीकृत अधिवक्ता पाया जाता है तो लाइसेंस निरस्त कर दिया जाय।</p>	<p>(नौ) यह कि आवेदक बार काउंसिल में रजिस्ट्रीकृत अधिवक्ता नहीं है। यदि लाइसेंस प्राप्त कर लेने पर उसे बार काउंसिल में रजिस्ट्रीकृत अधिवक्ता पाया जाता है तो लाइसेंस निरस्त कर दिया जाय।</p>
<p>(दस) यह कि वह लाइसेंस प्राप्त करने के लिये अपने आवेदन के साथ पै नं0 प्रस्तुत करेगा;</p>	<p>(दस) यह कि वह लाइसेंस प्राप्त करने के लिये अपने आवेदन के साथ पै नं0 प्रस्तुत करेगा;</p>
<p>(ग्यारह) यह कि वह सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ऋणशोधन क्षमता प्रमाण पत्र अथवा अनुमोदित आयकर मूल्यांकक द्वारा निर्गत सम्पत्ति का स्वामित्व प्रमाण पत्र धारक हो तथा उसकी शुद्ध हैसियत लाइसेंस फीस की धनराशि के अन्यून दोगुनी धनराशि के समकक्ष होगी।</p>	<p>(ग्यारह) यह कि वह सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ऋणशोधन क्षमता प्रमाण पत्र अथवा अनुमोदित आयकर मूल्यांकक द्वारा निर्गत सम्पत्ति का स्वामित्व प्रमाण पत्र धारक हो तथा उसकी शुद्ध हैसियत लाइसेंस फीस की धनराशि के अन्यून दोगुनी धनराशि के समकक्ष होगी।</p>

4-नियम-8 का संशोधन-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-8 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>8-विदेशी मदिरा की आपूर्ति-</p> <p>(क) लाइसेंसधारी अधिकतम खुदरा मूल्य दर्शाने वाली लेबिल वाली विहित क्षमता की बोतलों/टेट्रापैक्स में विदेशी मदिरा, केन/बोतलों में बीयर, वाइन व कम तीव्रता के मादक पेय बोतलों में एक कोड, उस पर चिपकाया जाता है और विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय की आपूर्ति आबकारी विभाग द्वारा अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त निर्माता आसवनियों, यवासवनियों और द्राक्षासवनियों से या अन्य थोक दुकानों से प्रतिफल फीस (अतिरिक्त प्रतिफल फीस सहित) और ऐसे अन्य शुल्कों, करों, उपकरणों को जो समय-समय पर उद्ग्रहणीय हों, अग्रिम रूप से तात्पर्यित इलेक्ट्रानिक माध्यम से पूर्ण भुगतान कर प्राप्त करेगा।</p> <p>(ख) एफ0एल0-2 व एफ0एल0-2ख लाइसेंसधारी विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय की आपूर्ति बी0डब्लू0एफ0एल0-2ए, बी0डब्लू0एफ0एल0-2बी, बी0डब्लू0एफ0एल0-2सी, बी0डब्लू0एफ0एल0-2डी, और बी0आई0ओ0-1 से समुद्रपार विदेशी मदिरा आबकारी विभाग द्वारा अनुमोदित एम.आर.पी. प्रदर्शित करने वाले लेबिल व सुरक्षा प्रणाली के अन्तर्गत कोड लगी बोतलों/केन्स/टेट्रापैक्स में प्रतिफल फीस (अतिरिक्त प्रतिफल फीस सहित) और ऐसे अन्य शुल्कों, करों उपकरणों जो समय-समय पर उद्ग्रहणीय हों, का अग्रिम रूप से तात्पर्यित इलेक्ट्रानिक के माध्यम से पूर्ण भुगतान पर प्राप्त करेगा।</p> <p>(ग) लाइसेंसधारी प्रपत्र बी0आई0ओ0-1 में देश में किसी कस्टम बॉन्ड से समुद्रपार विदेशी मदिरा की खरीद कर सकता है।</p>	<p>8-विदेशी मदिरा की आपूर्ति-</p> <p>(क) लाइसेंसधारी अधिकतम खुदरा मूल्य दर्शाने वाली लेबिल वाली विहित क्षमता की बोतलों/टेट्रापैक्स में विदेशी मदिरा, केन/बोतलों में बीयर, वाइन व कम तीव्रता के मादक पेय बोतलों में एक कोड, उस पर चिपकाया जाता है और विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय की आपूर्ति आबकारी विभाग द्वारा अनुमोदित लाइसेंस प्राप्त निर्माता आसवनियों, यवासवनियों और द्राक्षासवनियों से या अन्य थोक दुकानों से प्रतिफल फीस (अतिरिक्त प्रतिफल फीस सहित) और ऐसे अन्य शुल्कों, करों, उपकरणों को जो समय-समय पर उद्ग्रहणीय हों, अग्रिम रूप से तात्पर्यित इलेक्ट्रानिक माध्यम से पूर्ण भुगतान कर प्राप्त करेगा।</p> <p>(ख) एफ0एल0-2 व एफ0एल0-2ख लाइसेंसधारी विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन तथा कम तीव्रता के मादक पेय की आपूर्ति बी0डब्लू0एफ0एल0-2ए, बी0डब्लू0एफ0एल0-2ए बी0डब्लू0एफ0एल0-2बी, बी0डब्लू0एफ0एल0-2सी, बी0डब्लू0एफ0एल0-2डी, और बी0आई0ओ0-1 से समुद्रपार विदेशी मदिरा आबकारी विभाग द्वारा अनुमोदित एम.आर.पी. प्रदर्शित करने वाले लेबिल व सुरक्षा प्रणाली के अन्तर्गत कोड लगी बोतलों/केन्स/टेट्रापैक्स में प्रतिफल फीस (अतिरिक्त प्रतिफल फीस सहित) और ऐसे अन्य शुल्कों, करों उपकरणों जो समय-समय पर उद्ग्रहणीय हों, का अग्रिम रूप से तात्पर्यित इलेक्ट्रानिक के माध्यम से पूर्ण भुगतान पर प्राप्त करेगा।</p> <p>(ग) लाइसेंसधारी प्रपत्र बी0आई0ओ0-1 में देश में किसी कस्टम बॉन्ड से समुद्रपार विदेशी मदिरा की खरीद कर सकता है।</p>

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
(घ) प्रपत्र बी0आई0ओ0-1 में लाइसेंसधारी राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा ऐसी यथा विहित फीस के भुगतान पर आयात करने वाले राज्य के अभिहित द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को समुद्रपार विदेशी मदिरा का निर्यात कर सकता है। यह निर्यात प्राधिकृत अधिकारी से आन-लाइन निर्यात परमिट प्राप्त कर आबकारी पोर्टल से जनित परिवहन पास के माध्यम से किया जायेगा।	(घ) प्रपत्र बी0आई0ओ0-1 में लाइसेंसधारी राज्य सरकार के पूर्व अनुमोदन से आबकारी आयुक्त द्वारा ऐसी यथा विहित फीस के भुगतान पर आयात करने वाले राज्य के अभिहित द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति को समुद्रपार विदेशी मदिरा का निर्यात कर सकता है। यह निर्यात प्राधिकृत अधिकारी से आन-लाइन निर्यात परमिट प्राप्त कर आबकारी पोर्टल से जनित परिवहन पास के माध्यम से किया जायेगा।
(ङ) इस तरह के कस्टम बाण्डधारक, आबकारी आयुक्त द्वारा यथा विहित विवरण में मदिरा का राज्य में आयात और राज्य के बाहर निर्यात और अन्य विवरण प्रस्तुत करने के लिए बाध्य होंगे।	(ङ) इस तरह के कस्टम बाण्डधारक, आबकारी आयुक्त द्वारा यथा विहित विवरण में मदिरा का राज्य में आयात और राज्य के बाहर निर्यात और अन्य विवरण प्रस्तुत करने के लिए बाध्य होंगे।
(च) आयातक इकाइयों में समुद्रपार विदेशी मदिरा के किसी प्रकार के ब्राण्डों की अनुपलब्धता की स्थिति में प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा आबकारी आयुक्त की विशेष अनुज्ञा के अधीन इन ब्राण्डों को अन्य राज्यों या संघ राज्यक्षेत्रों में स्थापित कस्टम बाण्डों से उत्तर प्रदेश में समुद्रपार की विदेशी मदिरा का आयात नियमावली, 2003 के उपबंधों के अधीन खरीद सकता है।	(च) आयातक इकाइयों में समुद्रपार विदेशी मदिरा के किसी प्रकार के ब्राण्डों की अनुपलब्धता की स्थिति में प्राधिकृत व्यक्तियों द्वारा आबकारी आयुक्त की विशेष अनुज्ञा के अधीन इन ब्राण्डों को अन्य राज्यों या संघ राज्यक्षेत्रों में स्थापित कस्टम बाण्डों से उत्तर प्रदेश में समुद्रपार की विदेशी मदिरा का आयात नियमावली, 2003 के उपबंधों के अधीन खरीद सकता है।
(छ) आबकारी पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत आयातक इकाइयाँ, राज्य के भीतर और राज्य के बाहर या राज्य के बाहर से राज्य के द्वारा समुद्रपार विदेशी मदिरा का कस्टम बाण्ड से कस्टम बाण्ड में किये गये अन्तरण का विवरण पोर्टल पर अपलोड करेंगी।	(छ) आबकारी पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत आयातक इकाइयाँ, राज्य के भीतर और राज्य के बाहर या राज्य के बाहर से राज्य के द्वारा समुद्रपार विदेशी मदिरा का कस्टम बाण्ड से कस्टम बाण्ड में किये गये अन्तरण का विवरण पोर्टल पर अपलोड करेंगी।
(ज) आबकारी पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत तथा राज्य में कार्यरत आयातक इकाइयाँ, विभागीय पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत अन्य राज्यों की आयातक इकाइयों से भी प्राधिकृत अधिकारी के अनुमोदन से मदिरा प्राप्त कर सकेंगी। रजिस्ट्रीकृत आयातक इकाइयों द्वारा अपने कस्टम बाण्ड में मदिरा प्राप्त व निकासी का विवरण री-वेयर हाउसिंग प्रमाण-पत्र सहित नियत समयावधि में पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा।	(ज) आबकारी पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत तथा राज्य में कार्यरत आयातक इकाइयाँ, विभागीय पोर्टल पर रजिस्ट्रीकृत अन्य राज्यों की आयातक इकाइयों से भी प्राधिकृत अधिकारी के अनुमोदन से मदिरा प्राप्त कर सकेंगी। रजिस्ट्रीकृत आयातक इकाइयों द्वारा अपने कस्टम बाण्ड में मदिरा प्राप्त व निकासी का विवरण री-वेयर हाउसिंग प्रमाण-पत्र सहित नियत समयावधि में पोर्टल पर अपलोड किया जायेगा।

डा0 आदर्श सिंह,
आबकारी आयुक्त,
उत्तर प्रदेश।

OFFICE OF THE EXCISE COMMISSIONER, PRAYAGRAJ, UTTAR PRADESH**No. 3811/X-License-60/FL Retail Rules/2024-25***Prayagraj, dated: February 17, 2025***NOTIFICATION**

In exercise of the powers under section 41 of the United Provinces Excise Act, 1910 (U.P. Act no. 4 of 1910), read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (U.P. Act no. 1 of 1904), the Excise Commissioner, Uttar Pradesh with the previous sanction of the State Government hereby makes the following rules with a view to **amend** the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licenses for Wholesale of Foreign Liquor) Rules, 2002, namely:—

THE UTTAR PRADESH EXCISE (SETTLEMENT OF LICENSES FOR WHOLESALE OF FOREIGN LIQUOR) (FIFTEENTH AMENDMENT) RULES, 2024

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licences for Whole Sale of Foreign Liquor) (**Fifteenth** Amendment) Rules, **2024**.

(2) They shall be deemed to have come into force with effect from **01st April, 2024**.

2. Amendment of rule 4— In the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licences for Whole Sale of Foreign Liquor) Rules, 2002, hereinafter referred to as the "said rules", for the existing rule 4 setout in Column-I below, the rule as set out in Column-II shall be substituted, namely :—

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>4- Types of wholesale Licences for foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages</p> <p>(1) There shall be Six types of licences for wholesale of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages i.e.</p> <p>(a) Licence in Form FL-1 for wholesale of the foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages shall be granted to distilleries/breweries/ vinteneries situated in the State of Uttar Pradesh on prepaid consideration fee;</p>	<p>4- Types of wholesale Licences for foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages-</p> <p>(1) There shall be Six types of licences for wholesale of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages i.e.</p> <p>(a) Licence in Form FL-1 for wholesale of the foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages shall be granted to distilleries/breweries/ vinteneries situated in the State of Uttar Pradesh on prepaid consideration fee;</p> <p>Provided that those vinteneries situated in the State which are bottling wine for the first time and are eligible for exemption in consideration duty shall not be required to obtain FL-1 licence.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(b) Licence in form FL-1-A for wholesale of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages, manufactured by distilleries breweries and vinteneries situated outside the State of U.P. and by whom Licence in Form FL-3-A has been taken for bottling of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages and shall be granted on prepaid consideration fee;</p> <p>(c) Licence in Form FL-2 shall be granted for wholesale of foreign liquor, wine, low alcoholic beverages and overseas foreign liquor and wine for sale to the retail licensed vendors;</p> <p>(d) Licence in Form FL-2-A shall be granted for wholesale of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages and overseas foreign liquor to licensed wholesale and retail vendor of military/Para military forces;</p> <p>(e) Licence in Form FL-2-B shall be granted for wholesale of beer, wine and low alcoholic beverages as well as imported beer /low alcoholic beverages for sale to retail licensed vendors;</p> <p>Provided that supply of wine and low alcoholic beverages in glass bottles will be permissible to civil/military/paramilitary forces.</p> <p>(f) Licence in Form BIO-1 shall be granted to importing units for opening vend for wholesale of overseas foreign liquor. This Overseas foreign liquor from other Countries shall be brought under the import of overseas foreign liquor in Uttar Pradesh Rules-2003;</p> <p>It will be mandatory for the importing units doing business of overseas imported liquor through any custom bond of the state to obtain BIO-1 license for selling the overseas imported liquor through wholesale or prescribed retail licenses of the state.</p>	<p>(b) Licence in form FL-1-A for wholesale of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages, manufactured by distilleries breweries and vinteneries situated outside the State of U.P. and by whom Licence in Form FL-3-A has been taken for bottling of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages and shall be granted on prepaid consideration fee;</p> <p>(c) Licence in Form FL-2 shall be granted for wholesale of foreign liquor, wine, low alcoholic beverages and overseas foreign liquor and wine for sale to the retail licensed vendors;</p> <p>(d) Licence in Form FL-2-A shall be granted for wholesale of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages and overseas foreign liquor to licensed wholesale and retail vendor of military/Para military forces;</p> <p>(e) Licence in Form FL-2-B shall be granted for wholesale of beer, wine and low alcoholic beverages as well as imported beer /low alcoholic beverages for sale to retail licensed vendors;</p> <p>Provided that supply of wine and low alcoholic beverages in glass bottles will be permissible to civil/military/paramilitary forces.</p> <p>(f) Licence in Form BIO-1 shall be granted to importing units for opening vend for wholesale of overseas foreign liquor. This Overseas foreign liquor from other Countries shall be brought under the import of overseas foreign liquor in Uttar Pradesh Rules-2003;</p> <p>It will be mandatory for the importing units doing business of overseas imported liquor through any custom bond of the state to obtain BIO-1 license for selling the overseas imported liquor through wholesale or prescribed retail licenses of the state.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(2) The Aforesaid importing units shall fulfill the following eligibility criteria :-</p> <p>a. It shall have a custom bond warehouse or allocation of space in custom bond warehouse within Uttar Pradesh, established under the provisions of Import of Overseas foreign liquor in Uttar Pradesh Rules, 2003;</p> <p>b. It shall be registered on the portal of the Excise Department within in the state on payment of license fees and deposit of security as prescribed by the Excise commissioner with the previous approval of the State Government;</p> <p>(i) The importing units doing business of overseas imported liquor through any customs bond in the State, with the prior approval of the State Government, shall be granted overseas wholesale or prescribed retail licenses of the State on depositing the license fee and security as prescribed by the Excise Commissioner. BIO license will be issued for selling imported liquor;</p> <p>(ii) Under the BIO license of any district, only one custom bond located in the same district will be associated, but in any one custom bond, more than one importing units can be linked to their BIO licenses by allotting separate spaces;</p>	<p>(2) The Aforesaid importing units shall fulfill the following eligibility criteria :-</p> <p>a. It shall have a custom bond warehouse or allocation of space in custom bond warehouse within Uttar Pradesh, established under the provisions of Import of Overseas foreign liquor in Uttar Pradesh Rules, 2003;</p> <p>b. It shall be registered on the portal of the Excise Department within in the state on payment of license fees and deposit of security as prescribed by the Excise commissioner with the previous approval of the State Government;</p> <p>(i) The importing units doing business of overseas imported liquor through any customs bond in the State, with the prior approval of the State Government, shall be granted overseas wholesale or prescribed retail licenses of the State on depositing the license fee and security as prescribed by the Excise Commissioner. BIO license will be issued for selling imported liquor;</p> <p style="text-align: center;">Provided that if the BIO-1 licensee wishes to obtain licence in any other Municipal Corporation district or in the district of Divisional Headquarters, then he can obtain BIO-1A licence by depositing the prescribed licence fee, in which he will get all the facilities of BIO-1.</p> <p>(ii) Under the BIO license of any district, only one custom bond located in the same district will be associated, but in any one custom bond, more than one importing units can be linked to their BIO licenses by allotting separate spaces;</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(iii) In addition to the information required in the application form submitted for BIO license, it will be mandatory to upload the required details of the custom bond to be attached and the certificate of allotment of space in it on the portal. For the operation of every BIO license, it will be mandatory to have a bonded liquor warehouse whose premises will be in the same district and outside the premises of the concerned customs bond. BIO 1 license will be operated as per the Uttar Pradesh Excise (Arrangement of Licenses for Wholesale Sale of Foreign Liquor) Rules, 2002 (as amended) and the instructions given from time to time;</p> <p>(iv) All the importing units registered on the portal of Uttar Pradesh Excise Department will pay the custom duty from their BIO located in the state to any wholesaler/retailer outside the state (except Custom Bond) who has a valid import permit. For export of paid liquor, online export permit will be compulsorily obtained from the concerned District Excise Officer and clearance (export) of the concerned liquor will be done only through the transport pass issued through the portal of Uttar Pradesh Excise Department. The said clearance will be done by depositing the permit fee at the rate prescribed by the Excise Commissioner with the prior approval of the export state government.</p> <p>(v) It will be mandatory for each BIO licensee to get the license wise approval/registration of all the brands and labels of imported liquor sold overseas in the wholesale licenses and prescribed retail licenses of Uttar Pradesh by following the prescribed online process and depositing the prescribed fees. For this, authorization letter from the brand owner or the concerned brand owner in India/major importer of the brand will not be mandatory.</p>	<p>(iii) In addition to the information required in the application form submitted for BIO license, it will be mandatory to upload the required details of the custom bond to be attached and the certificate of allotment of space in it on the portal. For the operation of every BIO license, it will be mandatory to have a bonded liquor warehouse whose premises will be in the same district and outside the premises of the concerned customs bond. BIO 1 license will be operated as per the Uttar Pradesh Excise (Arrangement of Licenses for Wholesale Sale of Foreign Liquor) Rules, 2002 (as amended) and the instructions given from time to time;</p> <p>(iv) All the importing units registered on the portal of Uttar Pradesh Excise Department will pay the custom duty from their BIO located in the state to any wholesaler/retailer outside the state (except Custom Bond) who has a valid import permit. For export of paid liquor, online export permit will be compulsorily obtained from the concerned District Excise Officer and clearance (export) of the concerned liquor will be done only through the transport pass issued through the portal of Uttar Pradesh Excise Department. The said clearance will be done by depositing the permit fee at the rate prescribed by the Excise Commissioner with the prior approval of the export state government.</p> <p>(v) It will be mandatory for each BIO licensee to get the license wise approval/registration of all the brands and labels of imported liquor sold overseas in the wholesale licenses and prescribed retail licenses of Uttar Pradesh by following the prescribed online process and depositing the prescribed fees. For this, authorization letter from the brand owner or the concerned brand owner in India/major importer of the brand will not be mandatory.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(vi) BIO-1 license will allow transportation of liquor in the same vehicle to multiple destinations.</p> <p>c. It shall declare the details of custom bonded ware houses in which liquor shall be imported and stored;</p> <p>d. It shall declare and obtain approval of Excise Commissioner for the warehouse outside custom bond of concerned district in which overseas foreign liquor de-bonded from custom bonded ware houses shall be stored before sale in U.P;</p> <p>e. The importing unit may procure overseas foreign liquor from any custom bond in the country;</p> <p>f. It may either sell to authorized persons within the state or to transfer stock to another importing unit within the state or transfer to other custom bonds located in other state or export to authorized persons in other states;</p> <p>g. The brands of overseas foreign liquor shall be registered either by brand owner or its authorized principal importer or any other authorized importing unit. Upon such registration all the importing units can sell and procure and no separate registration by each such unit is required:</p> <p>Provided that free online registration of all those brands stored in custom bonds of the importing units will also be done, which will not sold to wholesale/retail licensees of the State;</p> <p>h. It shall be authorized to sell only those brands of overseas foreign liquor registered in the State;</p> <p>i. BIO-1 license of the importing unit will be affiliated to only one custom bond located in the same district;</p>	<p>(vi) BIO-1 license will allow transportation of liquor in the same vehicle to multiple destinations.</p> <p>c. It shall declare the details of custom bonded ware houses in which liquor shall be imported and stored;</p> <p>d. It shall declare and obtain approval of Excise Commissioner for the warehouse outside custom bond of concerned district in which overseas foreign liquor de-bonded from custom bonded ware houses shall be stored before sale in U.P;</p> <p>e. The importing unit may procure overseas foreign liquor from any custom bond in the country;</p> <p>f. It may either sell to authorized persons within the state or to transfer stock to another importing unit within the state or transfer to other custom bonds located in other state or export to authorized persons in other states;</p> <p>g. The brands of overseas foreign liquor shall be registered either by brand owner or its authorized principal importer or any other authorized importing unit. Upon such registration all the importing units can sell and procure and no separate registration by each such unit is required:</p> <p>Provided that free online registration of all those brands stored in custom bonds of the importing units will also be done, which will not sold to wholesale/retail licensees of the State;</p> <p>h. It shall be authorized to sell only those brands of overseas foreign liquor registered in the State;</p> <p>i. BIO-1 license of the importing unit will be affiliated to only one custom bond located in the same district;</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>j. Importing units which:-</p> <p>(i) is importing liquor directly into any of its custom bonds in the State or;</p> <p>(ii) is receiving transfer of liquor from custom bonds of importing units located in other States or;</p> <p>(iii) is transferring liquor to the customs bond of an importing unit located in other States or;</p> <p>(iv) doing the transfer business of liquor in custom bonds of other importing units located in the State, will be registered on the Uttar Pradesh Excise portal by depositing the prescribed registration fee.</p> <p>(5) It will be mandatory for the units dealing in any kind of overseas imported liquor in the state to get themselves registered on the prescribed portal of the Excise Department of Uttar Pradesh by paying the prescribed registration fee.</p>	<p>j. Importing units which:-</p> <p>(i) is importing liquor directly into any of its custom bonds in the State or;</p> <p>(ii) is receiving transfer of liquor from custom bonds of importing units located in other States or;</p> <p>(iii) is transferring liquor to the customs bond of an importing unit located in other States or;</p> <p>(iv) doing the transfer business of liquor in custom bonds of other importing units located in the State, will be registered on the Uttar Pradesh Excise portal by depositing the prescribed registration fee.</p> <p>(5) It will be mandatory for the units dealing in any kind of overseas imported liquor in the state to get themselves registered on the prescribed portal of the Excise Department of Uttar Pradesh by paying the prescribed registration fee.</p>

3. Amendment of rule 7— In the said rules, for existing rule-7 setout in Column-I below, the rule as setout in Column-II shall be substituted, namely:—

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(1) License in form FL-2 and FL-2B shall be granted to any person who-</p> <p>(a) be a citizen of India,</p> <p style="text-align: center;">or</p> <p>is a partnership firm having not more than two partners, both being citizens of India. No change in partnership shall be allowed after allotment of shop(s).</p>	<p>(1) License in form FL-2 and FL-2B shall be granted to any person who-</p> <p>(a) be a citizen of India,</p> <p style="text-align: center;">or</p> <p>is a partnership firm having not more than two partners, both being citizens of India. No change in partnership shall be allowed after allotment of shop(s).</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>Provided that if the license has been obtained by a person, then in the event of his death, as per the nomination affidavit (if any) given by the licensee, for the remaining period of the license, the license shall be in the names of the heirs/family members/close relatives of the deceased licensee, if not otherwise ineligible. Nominations for continuing as license holders will be considered as per the order of preference mentioned in the affidavit.</p> <p>Provided further that in case of non-availability of nomination affidavit of the deceased licensee, his legal heir may continue to be the licensee for the remaining period of the license.</p> <p>If the license is jointly obtained by two persons, then in the event of death of one of the persons, the surviving person and the nominee or legal heir of the deceased licensee selected as above, if otherwise eligible, continue to be the licensee for the remaining period of the license. Could. There will be no distinction between the legal responsibilities of both the persons and both will be jointly and severally liable.</p>	<p>Provided that if the license has been obtained by a person, then in the event of his death, as per the nomination affidavit (if any) given by the licensee, for the remaining period of the license, the license shall be in the names of the heirs/family members/close relatives of the deceased licensee, if not otherwise ineligible. Nominations for continuing as license holders will be considered as per the order of preference mentioned in the affidavit.</p> <p>Provided further that in case of non-availability of nomination affidavit of the deceased licensee, his legal heir may continue to be the licensee for the remaining period of the license.</p> <p>If the license is jointly obtained by two persons, then in the event of death of one of the persons, the surviving person and the nominee or legal heir of the deceased licensee selected as above, if otherwise eligible, continue to be the licensee for the remaining period of the license. Could. There will be no distinction between the legal responsibilities of both the persons and both will be jointly and severally liable.</p> <p>Provided that the wholesale licensee can also submit a nomination affidavit regarding the transfer of the licence, in which he can mention the name of his heirs/family members/close relatives, Aadhaar number, relation etc. in first, second, third etc. order of preference. In cases of death, the applications submitted as per the nomination affidavit will be considered first, otherwise action will be taken as per the rules;</p>
<p>(b) is above twenty-one years of age at the time of making application for the grant of License;</p>	<p>(b) is above twenty-one years of age at the time of making application for the grant of License;</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(c) is not a defaulter/ blacklisted or debarred from holding an excise License under the provisions of any rules made under the Act;</p> <p>(d) does not possess any License for retail sale of Country Liquor, Foreign Liquor, Beer and Model Shop;</p> <p>(e) submits an affidavit duly verified by notary public as proof of the following, namely:-</p> <p>(I) that he possesses or can arrange on rent a suitable premises in that locality for opening the shop in accordance with the provisions of Uttar Pradesh Number and Location of Excise Shop. Rules, 1968 as amended from time to time;</p> <p>(II) that premises of the shop as shown in sub clause (e)(1) has not been constructed in violation of any law or rules.</p> <p>(III) that he and his family members possess good moral character and they have no criminal background nor have been convicted of any offence punishable under the United Provinces Excise Act, 1910 or the Narcotics Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 or any other cognizable and non-bailable offence;</p> <p>(IV) that in case he is selected as licensee he shall furnish a certificate, prior to issuance of the License, issued by the District Collector or Superintendent of Police/Senior Superintendent of Police of the concerned district or an officer not below the rank of assistant commissioner of police nominated by the police commissioner of the concerning police Commissionerate of the District of which he is the resident, showing that he as well as his family members possess good moral character and they have no criminal background or criminal history;</p>	<p>(c) is not a defaulter/ blacklisted or debarred from holding an excise License under the provisions of any rules made under the Act;</p> <p>(d) does not possess any License for retail sale of Country Liquor, Foreign Liquor, Beer and Model Shop;</p> <p>(e) submits an affidavit duly verified by notary public as proof of the following, namely:-</p> <p>(II) that he possesses or can arrange on rent a suitable premises in that locality for opening the shop in accordance with the provisions of Uttar Pradesh Number and Location of Excise Shop. Rules, 1968 as amended from time to time;</p> <p>(II) that premises of the shop as shown in sub clause (e)(1) has not been constructed in violation of any law or rules.</p> <p>(III) that he and his family members possess good moral character and they have no criminal background nor have been convicted of any offence punishable under the United Provinces Excise Act, 1910 or the Narcotics Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985 or any other cognizable and non-bailable offence;</p> <p>(IV) that in case he is selected as licensee he shall furnish a certificate, prior to issuance of the License, issued by the District Collector or Superintendent of Police/Senior Superintendent of Police of the concerned district or an officer not below the rank of assistant commissioner of police nominated by the police commissioner of the concerning police Commissionerate of the District of which he is the resident, showing that he as well as his family members possess good moral character and they have no criminal background or criminal history;</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(v) that he shall not employ and salesman or representative who has criminal background as mentioned in clause (iii) or, who suffers from any infectious contagious diseases or is below twenty-one years of age or a woman. Licensee shall have to obtain Naukarnama bearing photographs of his authorized salesman/ representative from District Excise Officer on payment of fee as prescribed by the State Government from time to time.</p> <p>(VI) that he is not in arrear of any public dues or Government dues,</p> <p>(VII) that he is solvent and has the necessary funds or has arranged the necessary funds, for conducting the business, the details of which shall be made available to licensing authority is required;</p> <p>(viii) that applicant is not involved in mafia activities, anti-social activities and organized offensive activities, if after issuance of License it is proved that he is involved in mafia activities, anti social activities and organized offensive activities then the allotted agreement/ lease/ contract shall be cancelled;</p> <p>(ix) that applicant is not an advocate registered with Bar Council. If he is found registered advocate after getting the License then the License shall be cancelled;</p> <p>(x) that he shall furnish the PAN no. along with his application for obtaining the License;</p> <p>(xi) that he shall be bearer of solvency certificate issued by a competent authority or of a certificate of owned property issued by the approved Income Tax Valuer and his net worth shall be equivalent to not less than double the amount of the license fee.</p>	<p>(v) that he shall not employ and salesman or representative who has criminal background as mentioned in clause (iii) or, who suffers from any infectious contagious diseases or is below twenty-one years of age or a woman. Licensee shall have to obtain Naukarnama bearing photographs of his authorized salesman/ representative from District Excise Officer on payment of fee as prescribed by the State Government from time to time.</p> <p>(VI) that he is not in arrear of any public dues or Government dues,</p> <p>(VII) that he is solvent and has the necessary funds or has arranged the necessary funds, for conducting the business, the details of which shall be made available to licensing authority is required;</p> <p>(viii) that applicant is not involved in mafia activities, anti-social activities and organized offensive activities, if after issuance of License it is proved that he is involved in mafia activities, anti social activities and organized offensive activities then the allotted agreement/ lease/ contract shall be cancelled;</p> <p>(ix) that applicant is not an advocate registered with Bar Council. If he is found registered advocate after getting the License then the License shall be cancelled;</p> <p>(x) that he shall furnish the PAN no. along with his application for obtaining the License;</p> <p>(xi) that he shall be bearer of solvency certificate issued by a competent authority or of a certificate of owned property issued by the approved Income Tax Valuer and his net worth shall be equivalent to not less than double the amount of the license fee.</p>

4. Amendment of rule 8—In the said rules, for existing rule 8 setout in Column-I below, the rule as setout in Column-II shall be substituted, namely:—

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>8. Supply of foreign liquor.</p> <p>(a) The licensee shall procure supplies of Foreign Liquor in Bottles/Tetrapaks, Beer in Cans/ Bottles, Wine and Low Strength Alcoholic Beverages in Bottles of the prescribed capacity having label showing M.R.P. (Maximum Retail Price) a code under security system, affixed on it and approved by the Excise Department from distilleries, breweries and vinteneries that are Licensed manufactures of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages or other wholesale shop after making full payment of consideration fee (including additional consideration fee) in advance through the electronic means and such other levies, taxes or cess as livable from time to time;</p> <p>(b) Licensee of FL-2 and FL-2B shall procure supplies of foreign liquor, beer, wine and low alcoholic beverage from BWFL-2A, BWFL-2B, BWFL-2C, BWFL-2D and overseas foreign liquor from BIO-1 in bottles/cans/ tetrapacks having labels indicating M.R.P. (Maximum Retail Price), a code under security system as approved by Excise Department and on full payment of consideration fee (including additional consideration fee) in advance through the electronic means and such other levies taxes or cess as livable from time to time;</p> <p>(c) The licensee in form BIO-1 shall procure overseas foreign liquor from any custom bond in the country;</p>	<p>8. Supply of foreign liquor.</p> <p>(a) The licensee shall procure supplies of Foreign Liquor in Bottles/Tetrapaks, Beer in Cans/ Bottles, Wine and Low Strength Alcoholic Beverages in Bottles of the prescribed capacity having label showing M.R.P. (Maximum Retail Price) a code under security system, affixed on it and approved by the Excise Department from distilleries, breweries and vinteneries that are Licensed manufactures of foreign liquor, beer, wine and Low Alcoholic Beverages or other wholesale shop after making full payment of consideration fee (including additional consideration fee) in advance through the electronic means and such other levies, taxes or cess as livable from time to time;</p> <p>(b) Licensee of FL-2 and FL-2B shall procure supplies of foreign liquor, beer, wine and low alcoholic beverage from BWFL-2A, BWFL-2AA, BWFL-2B, BWFL-2C, BWFL-2D and overseas foreign liquor from BIO-1 in bottles/cans/ tetrapacks having labels indicating M.R.P. (Maximum Retail Price), a code under security system as approved by Excise Department and on full payment of consideration fee (including additional consideration fee) in advance through the electronic means and such other levies taxes or cess as livable from time to time;</p> <p>(c) The licensee in form BIO-1 shall procure overseas foreign liquor from any custom bond in the country;</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(d) The licensee in form BIO-1 may export overseas foreign liquor to any person authorized by the designated authority of importing state, on payment of such fees as prescribed the Excise Commissioner, with previous approval of the state government. This export will be done through the transport pass generated from the excise portal after obtaining online export permit from the authorized officer;</p> <p>(e) Such custom bond holder shall be under obligation to furnish the details of liquor being imported into and exported out of the state and such other details as prescribed by the Excise Commissioner;</p> <p>(f) In case of non-availability of any type of brands of overseas foreign liquor at importing units, authorized persons may procure these brands under special permission of Excise Commissioner from custom bonds established in other states or Union Territories under provisions of import of overseas foreign liquor in Uttar Pradesh Rules, 2003;</p> <p>(g) The importing units registered on the excise portal shall upload the details of custom bond to custom bond transfer of overseas liquor within the State and outside the State or outside State to within the State;</p>	<p>(d) The licensee in form BIO-1 may export overseas foreign liquor to any person authorized by the designated authority of importing state, on payment of such fees as prescribed the Excise Commissioner, with previous approval of the state government. This export will be done through the transport pass generated from the excise portal after obtaining online export permit from the authorized officer;</p> <p>(e) Such custom bond holder shall be under obligation to furnish the details of liquor being imported into and exported out of the state and such other details as prescribed by the Excise Commissioner;</p> <p>(f) In case of non-availability of any type of brands of overseas foreign liquor at importing units, authorized persons may procure these brands under special permission of Excise Commissioner from custom bonds established in other states or Union Territories under provisions of import of overseas foreign liquor in Uttar Pradesh Rules, 2003;</p> <p>(g) The importing units registered on the excise portal shall upload the details of custom bond to custom bond transfer of overseas liquor within the State and outside the State or outside State to within the State;</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(h) The importing units registered on the excise portal and doing business in the State will also be able to obtain liquor from the registered importing units of other States with the approval of the authorized officer. The details of receipt and dispatch of liquor in their custom bond along with re-ware housing certificate of the registered importing units will be uploaded on the portal within the stipulated time period.</p>	<p>(h) The importing units registered on the excise portal and doing business in the State will also be able to obtain liquor from the registered importing units of other States with the approval of the authorized officer. The details of receipt and dispatch of liquor in their custom bond along with re-ware housing certificate of the registered importing units will be uploaded on the portal within the stipulated time period.</p>

Dr. Adarsh Singh,
Excise Commissioner,
 Uttar Pradesh.